भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 5688

जिसका उत्तर दिनांक 06.04.2022 को दिया जाना है

परमाणु ऊर्जा

5688. श्रीमती लॉकेट चटर्जी :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार देश की ऊर्जा संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए परमाणु ऊर्जा का उपयोग करने के विकल्प का पता लगाने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार देश की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता के स्थान पर नए और नवोन्मेषी विकल्प का पता लगाने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) जी, हां । नाभिकीय ऊर्जा आधार भार क्षमता का स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल स्रोत है जो 24 X 7 उपलब्ध है । इसके जीवन चक्र ताप नियंत्रण गैस उत्सर्जनों की तुलना, नवीकरणीय जीवन चक्र ताप नियंत्रण गैस उत्सर्जनों से की जा सकती है । इसमें विशाल क्षमता है और संधारणीय तरीके से देश को दीर्घकालीन ऊर्जा सुरक्षा प्रदान कर सकती है । इस संदर्भ में, सरकार, देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विदेशी सहयोग पर आधारित अतिरिक्ताओं के साथ एक स्वदेशी त्रि-चरणीय नाभिकीय विद्युत कार्यक्रम का क्रियान्वयन कर रहा है । वर्तमान संस्थापित क्षमता 6780 मेगावाट को बढ़ाकर वर्ष 2031 तक 22480 मेगावाट करने के लिए एक वृहद् नाभिकीय ऊर्जा क्षमता संवर्धन कार्यक्रम क्रियान्वयन के अधीन है ।

(ख) जीवाश्म ईंधनों के लिए आयातों पर देश की वृहद निर्भरता पर विचार करते हुए और वर्ष 2070 तक शुद्ध संतुलित अर्थव्यवस्था प्राप्त करने के उद्देश्य के अनुसरण में नवीकरणीय और नाभिकीय विद्युत जैसी स्वच्छ प्रौद्योगिकियों का विस्तार किया जा रहा है । इस संबंध में, नाभिकीय ऊर्जा से उत्पन्न बिजली का उपयोग करके स्वच्छ हाइड्रोजन के उत्पादन जैसे अभिनव विकल्पों की भी तलाश की जा रही है ।

*****